

CORPORATE OFFICE

Delhi Office

706 Ground Floor Dr. Mukherjee
Nagar Near Batra Cinema Delhi -
110009

Noida Office

Basement C-32 Noida Sector-2
Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS



Yojna IAS
योजना है तो सफलता है

yojniaias.com

website : www.yojniaias.com
Contact No. : +91 8595390705

दिनांक: 23 अगस्त 2023

मिनामाता सम्मेलन

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "मिनामाता कन्वेंशन" शामिल है। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के पर्यावरण अनुभाग में "मिनामाता कन्वेंशन" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:-

- मिनामाता कन्वेंशन के बारे में?
- पारा प्रदूषण के बारे में?

मुख्य परीक्षा के लिए:-

- जीएस 3: पर्यावरण
- पारा प्रदूषण का स्रोत?
- आगे का रास्ता?

सुर्खियों में क्यों:-

- हाल ही में पारे पर मिनामाता अभिसमय की छठी वर्षगाँठ मनाई गई।

मिनामाता कन्वेंशन के बारे में:-

- पारे पर मिनामाता अभिसमय का जेनेवा में वर्ष 2013 में अपनाया गया था। यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को पारे के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए विश्व की पहली कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है।
- इसे 10 अक्टूबर, 2013 को अपनाया गया था, और 16 अगस्त, 2017 को लागू किया गया था।
- भारत ने वर्ष 2014 में इस अभिसमय पर हस्ताक्षर किए थे, और वर्ष 2018 में इसकी अभिपुष्टि (rectify) की थी।
- सम्मेलन का नाम जापान के मिनामाता शहर के नाम पर रखा गया है, जिसने औद्योगिक अपशिष्ट जल निर्वहन के कारण पारा प्रदूषण के सबसे गंभीर मामलों में से एक का अनुभव किया। मिनामाता रोग पारे की गंभीर विषाक्तता के कारण होने वाली एक तंत्रिका संबंधी बीमारी है।

मिनामाता कन्वेंशन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:-

- **आपूर्ति और व्यापार:** इसके प्राथमिक खनन, निर्यात और आयात सहित पारे की आपूर्ति और व्यापार को नियंत्रित करना सम्मेलन का लक्ष्य है।
- **पारा उपयोग और उत्सर्जन:** सम्मेलन खनन, ऊर्जा और अपशिष्ट भस्मीकरण उद्योगों सहित विभिन्न स्रोतों से पारा रिलीज और उत्सर्जन को कम करने के लिए वर्तमान में उपयोग में आने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देता है।
- **कारीगर और छोटे पैमाने पर सोने का खनन:** सम्मेलन कारीगर और छोटे पैमाने पर सोने के खनन में पारे के महत्वपूर्ण उपयोग को संबोधित करता है, जिसका उद्देश्य खनिकों और उनके समुदायों के पारे के जोखिम को कम करना है।
- **पारा-वर्धित उत्पाद:** सम्मेलन में, बैटरी, फ्लोरोसेंट प्रकाश व्यवस्था, सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा उपकरणों सहित विभिन्न वस्तुओं और प्रक्रियाओं में पारे के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और कम करने की वकालत करता है।
- **पारा अपशिष्ट प्रबंधन:** सम्मेलन पर्यावरण में पारे के उत्सर्जन को रोकने के लिए पारा युक्त कचरे के उचित प्रबंधन और निपटान के लिए सिफारिशें प्रदान करता है।

पारा प्रदूषण: एक खतरा

पारे की प्रकृति और चिंता:-

- पारा, पृथ्वी की पपड़ी में मौजूद एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला तत्व है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे उन दस रसायनों या रासायनिक समूहों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है जो मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक चिंताजनक हैं।

पारा के विभिन्न अनुप्रयोग:-

- **थर्मामीटर और बैरोमीटर:** पारे के तापीय विस्तार का उच्च गुणांक और देखने में सरलता इसे पारंपरिक थर्मामीटर तथा बैरोमीटर में उपयोग के लिये उपयुक्त बनाती है।
- **रासायनिक और खनन प्रक्रियाएँ:** पारे का उपयोग क्लोरिन के उत्पादन और सोने के खनन सहित विभिन्न रासायनिक व खनन प्रक्रियाओं में किया जाता है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल स्विच:** इसका उपयोग विभिन्न विद्युत अनुप्रयोगों में किया जाता है क्योंकि चालकता तथा कम प्रतिरोध के कारण पारा अच्छा विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के लिये उपयुक्त है।

पारा प्रदूषण का स्रोत-

प्राकृतिक और मानवजनित स्रोत-

- **प्राकृतिक स्रोत:** ज्वालामुखी विस्फोट और चट्टानों और मृदा अपरदन का कारण पारा जल निकायों में जा सकता है।
- **मानवजनित स्रोत:** पारा प्रदूषण कारीगर और छोटे पैमाने पर सोने के खनन (एससजीएम), औद्योगिक प्रक्रियाओं और अनुचित ई-अपशिष्ट निपटान जैसी गतिविधियों से पर्यावरण में घुल जाता है।

प्रभाव और संबंधित जोखिम:-

- पारा जलीय जीवों में जमा होता है, जैसे कि मछली, मिथाइलमरकरी मछली जो मुख्य रूप से मछली (Fish) और शेलफिश (Shellfish) के सेवन दूषित मछली का सेवन व्यक्तियों को इस यौगिक के संपर्क में लाता है, जो मिनामाता रोग सहित स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।
- इस यौगिक से मिनामाता रोग (Minamata Disease) होने का खतरा अधिक होता है। यह मूल रूप से संवेदी प्रणाली को प्रभावित करता है तथा इससे श्रवण और दृश्य हानि हो सकती है।
- यह बीमारी सबसे पहले जापान के मिनामाता बे (Minamata Bay) के निवासियों में देखी गई थी, जहां औद्योगिक अपशिष्ट संदूषण के कारण मछली में पारा जमा हो गया था।



आगे का रास्ता-

अभिनव समाधान-

- **पारा हटाने वाले फिल्टर:** नए फिल्टर में हवा, पानी और उपभोक्ता वस्तुओं से पारा कणों को चुनिंदा रूप से पकड़ने और सोखने की क्षमता होती है, जिससे उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलती है।
- **फाइटोरेमेडिएशन:** फाइटोरेमेडिएशन का उपयोग करके, पौधे मिट्टी और पानी से पारा को अवशोषित करते हैं, जिससे इसे पर्यावरण से हटाने में मदद मिलती है।

प्लैनेटगोल्ड कार्यक्रम कार्यान्वयन-

- यूएनईपी का प्लैनेटगोल्ड कार्यक्रम, जिसे विश्व स्तर पर लागू किया जा रहा है इसका उद्देश्य कारीगर सोने के खनन में पारा के उपयोग को समाप्त करना और सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों का निर्माण करना है। वैश्विक पर्यावरण सुविधा द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम पारे की पहुँच से खनिकों को दूर रखने में मदद के लिये वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

- उल्लेखनीय बुर्किना फासो में पारा मुक्त प्रसंस्करण संयंत्र है, जो पारा उपयोग से दूर संक्रमण के लिए एक मॉडल है।

निष्कर्ष में-

- मिनामाता कन्वेंशन स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पारा के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक प्रयास है। प्लैनेटगोल्ड कार्यक्रम जैसे अभिनव समाधान और प्रतिबद्ध पहल के साथ, दुनिया पारा प्रदूषण को कम करने का प्रयास करती है, जिससे एक सुरक्षित और अधिक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित होता है।

स्रोत:

<https://www.unep.org/news-and-stories/story/ending-toxic-trail-small-scale-gold-mining>

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 मिनामाता अभिसमय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह आर्सेनिक प्रदूषण की समस्या से संबंधित है।
2. भारत ने मिनामाता संधि पर हस्ताक्षर कर दिए हैं लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों।
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

प्रश्न-02 यूएनईपी 'प्लैनेटगोल्ड' कार्यक्रम निम्नलिखित में से किस प्रदूषणकारी पदार्थ से संबंधित है?

- (A) सोना
(B) कैडमियम
(C) आर्सेनिक
(D) पारा

उत्तर: D

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 "पारा प्रदूषण को कम करने के स्रोतों, प्रभावों और इस पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती को संबोधित करने में मिनामाता कन्वेंशन के महत्व पर वैश्विक प्रयासों की चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey